चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 15 अप्रैल 2026, अंक –258.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

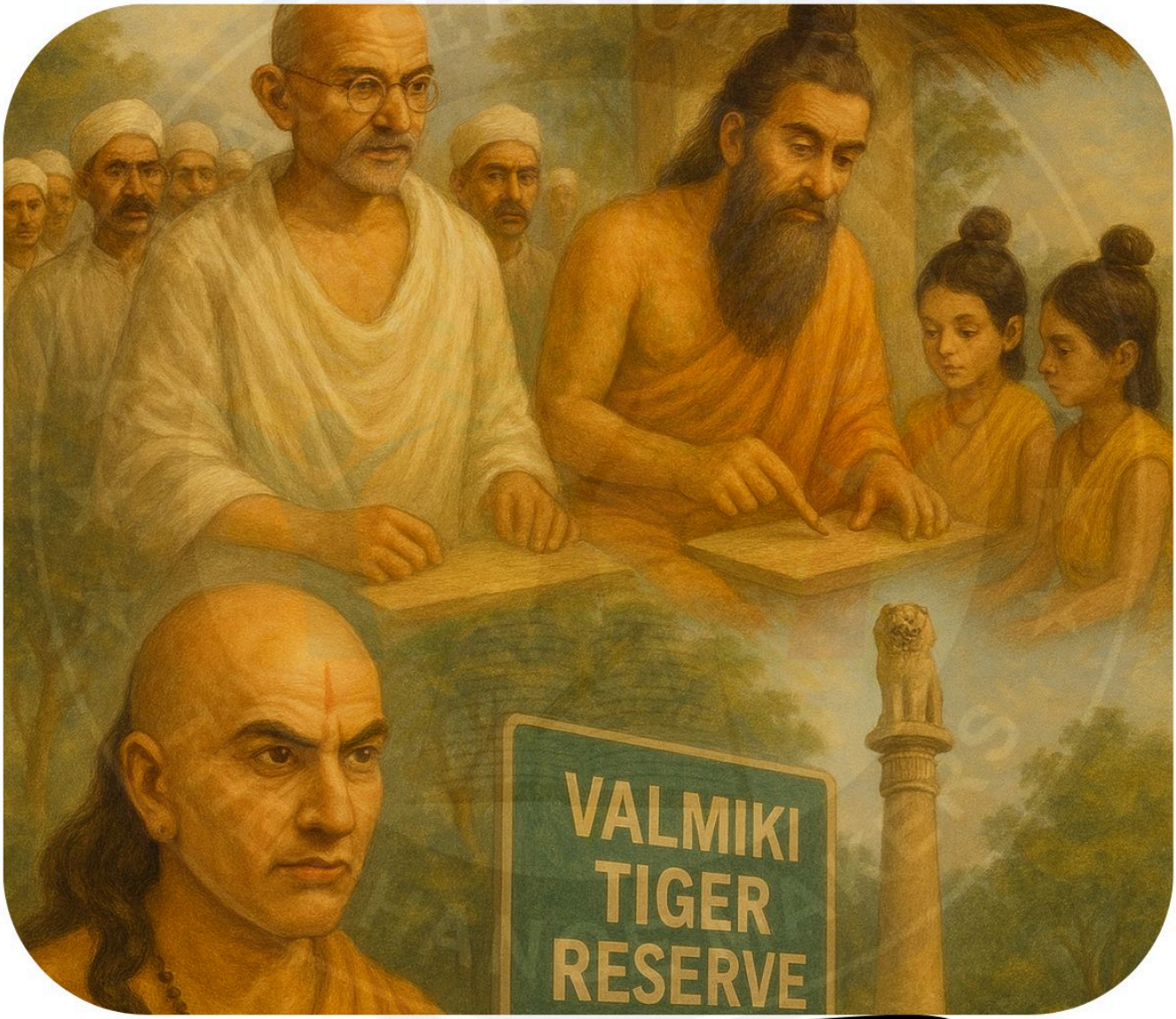

"तुम्हारे पैरों में जूते भले ना हों, हाथों में किताब जरूर होनी चाहिए।" -डॉ. BR Ambedkar

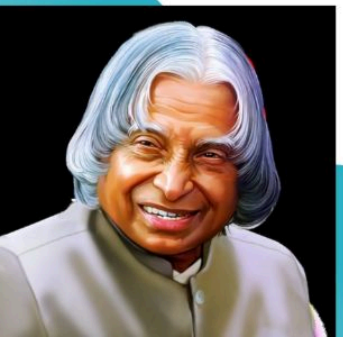

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Wednesday Prayer

तू ही राम है, तू रहीम है,
तू करीम कृष्ण खुदा हुआ।
तू ही वाहे गुरु तू यीशू मसीह
हर नाम में तू समा रहा।
तू ही राम है.....।

तेरी जात पाक कुरान में,
तेरा दरस वेद पुराण में।
गुरु ग्रन्थजी क ी बखान में,
तू प्रकाश अपना दिखा रहा।
तू ही राम है.....।

अरदास है कहीं कीरतन
कहीं रामधुन कहीं आवहन।
विधि भेद का यह है सब रचन,
तेरा भक्त तुझको बुला रहा।
तू ही राम है.....।

तेरा गुण नहीं हम गा सकें,
तुझे कैसे मन में ध्या सकें।
है दुआ यहीं तुझे पा सकें,
तेरे दर पे सर ये झुका हुआ।
तू ही राम है.....।

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1: 'इटली' की राजधानी कहाँ है?
उत्तर: रोम (Rome)
प्रश्न 2: भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति कौन थे?
उत्तर: डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन
प्रश्न 3: "बिहू" नृत्य किस राज्य की प्रसिद्ध जनजातीय संस्कृति से जुड़ा है?
उत्तर: असम
प्रश्न 4: यदि एक आयत की लंबाई को दोगुना कर दिया जाए, तो उसकी भुजाओं की कुल संख्या कितनी होगी?
उत्तर: 4 (लंबाई बदलने पर भी आयत की भुजाओं की संख्या 4 ही रहती है)
प्रश्न 5: बिहार के किस जिले में प्रसिद्ध 'जल मंदिर' स्थित है?
उत्तर: पावापुरी (नालंदा जिला)
प्रश्न 6: प्रत्येक वर्ष '14 अप्रैल' को भारत में किस महापुरुष की जयंती मनाई जाती है?
उत्तर: डॉ. भीमराव अंबेडकर (संविधान निर्माता)
प्रश्न 7: पोलियो की दवा (वैक्सीन) की खोज किसने की?
उत्तर: डॉ. जोनास सॉल्क
प्रश्न 8: भारत के 'उपराष्ट्रपति' का कार्यकाल कितने वर्षों का होता है?
उत्तर: 5 वर्ष
प्रश्न 9: 'सज्जन' (सत् + जन) शब्द में कौन सी संधि है?
उत्तर: व्यंजन संधि
प्रश्न 10: सौरमंडल का वह कौन सा ग्रह है जिसके चारों ओर स्पष्ट 'वलय' (Rings) दिखाई देते हैं?
उत्तर: शनि (Saturn)

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

1. Hear – (हियर) – सुनना / सुनाई देना
2. Look – (लुक) – देखना
3. See – (सी) – देखना
4. Laugh – (लाफ) – हँसना
5. Cry – (क्राइ) – रोना
6. Smile – (स्माइल) – मुस्कुराना
7. Play – (प्ले) – खेलना

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: “मैं ... नहीं हूँ” (I am not ...)

मैं खुश नहीं हूँ। – I am not happy.
मैं ठीक नहीं हूँ। – I am not fine.
मैं तैयार नहीं हूँ। – I am not ready.
मैं व्यस्त नहीं हूँ। – I am not busy.
मैं सुरक्षित नहीं हूँ। – I am not safe.

संकलन:-
सुनील कुमार राम
प्रधान शिक्षक
Govt. PS चिउटाहां
बगहा-2, प. चम्पारण

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

1. आज 15 अप्रैल को कला के वैश्विक महत्व को रेखांकित करने के लिए कौन सा अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है? (दिवस ज्ञान)
उत्तर: विश्व कला दिवस (World Art Day)
व्याख्या: यह दिवस महान कलाकार लियोनार्दो दा विंची के जन्मदिन के सम्मान में मनाया जाता है। इसका उद्देश्य कला के विकास, प्रसार और आनंद को बढ़ावा देना है। कला न केवल रचनात्मकता को निखारती है, बल्कि समाज में शांति और संवाद का माध्यम भी बनती है।
संदर्भ: यूनेस्को (UNESCO) आधिकारिक कैलेंडर 2026।

2. हाल ही में 'बिहार सरकार' ने किस जिले में 'राज्य का पहला आधुनिक मत्स्य पालन अनुसंधान केंद्र' (Fisheries Research Centre) स्थापित करने की घोषणा की है? (समसामयिकी)
उत्तर: किशनगंज
व्याख्या: अप्रैल 2026 में किशनगंज में इस केंद्र की स्थापना को मंजूरी दी गई है। यहाँ मछली पालन की नई तकनीकों और प्रजातियों पर शोध किया जाएगा, जिससे सीमांचल क्षेत्र के मत्स्य पालकों की आय में वृद्धि होगी। यह बिहार को 'नीली क्रांति' की दिशा में अग्रणी बनाने का एक प्रयास है।
संदर्भ: पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, बिहार सरकार (अप्रैल 2026)।

3. "रत्नावली" नामक सुप्रसिद्ध संस्कृत नाटक के रचयिता कौन हैं, जो स्वयं एक महान सम्राट भी थे? (पुस्तक - लेखक)
उत्तर: सम्राट हर्षवर्धन
व्याख्या: वर्धन वंश के शासक हर्षवर्धन ने 'रत्नावली', 'प्रियदर्शिका' और 'नागानन्द' जैसे नाटकों की रचना की थी। उनके शासनकाल को भारतीय इतिहास का एक स्वर्णिम काल माना जाता है, जिसमें कला और विद्वत्ता को विशेष प्रोत्साहन मिला। वे स्वयं एक कुशल कवि और लेखक थे।
संदर्भ: NCERT कक्षा 6 इतिहास, अध्याय 1, पृष्ठ 9।

4. 'पारिस्थितिकी तंत्र' में वे जीव जो सीधे तौर पर मृत जैव पदार्थों (Detritus) को खाकर मिट्टी की उर्वरता बढ़ाते हैं, क्या कहलाते हैं? (पर्यावरण)
उत्तर: अपरदभोजी (Detritivores)
व्याख्या: केंचुआ, दीमक और चींटी जैसे जीव मृत पौधों और जंतुओं के अवशेषों को छोटे कणों में तोड़ देते हैं। यह प्रक्रिया मिट्टी में पोषक तत्वों के पुनर्चक्रण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। केंचुए को इसी कारण 'किसानों का मित्र' कहा जाता है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 10 विज्ञान, अध्याय 15 (हमारा पर्यावरण), पृष्ठ 257।

5. प्राचीन काल में 'बुर्जहोम' पुरास्थल (कश्मीर) से मिले अवशेषों में इंसानों के साथ किस जानवर को दफनाने के प्रमाण मिले हैं? (इतिहास)
उत्तर: कुत्ते
व्याख्या: बुर्जहोम में कब्रों में पालतू कुत्तों को उनके मालिकों के साथ दफनाने के साक्ष्य मिले हैं। यह उस समय के लोगों के पशु प्रेम और उनके धार्मिक विश्वासों को दर्शाता है। यह नवपाषाण कालीन सभ्यता की एक विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 6 इतिहास, अध्याय 2, पृष्ठ 13।

"सामान्य-ज्ञान"

6. भारत का वह कौन सा राज्य है जिसकी सीमा 'भूटान' और 'चीन' दोनों देशों को स्पर्श करती है, लेकिन नेपाल को नहीं? (भूगोल)
उत्तर: अरुणाचल प्रदेश
व्याख्या: अरुणाचल प्रदेश की सीमाएं उत्तर में चीन और पूर्व में भूटान से मिलती हैं। पश्चिम में यह भूटान के साथ जुड़ा है। भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों की सीमाओं की यह विविधता इसे सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण बनाती है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 9 भूगोल, अध्याय 1 (भारत - आकार और स्थिति), पृष्ठ 6।

7. भारतीय संविधान का कौन सा 'अनुच्छेद' गिरफ्तारी और निरोध (Detention) के संरक्षण से संबंधित अधिकार प्रदान करता है? (संविधान)
उत्तर: अनुच्छेद 22
व्याख्या: यह अनुच्छेद किसी भी गिरफ्तार व्यक्ति को 24 घंटे के भीतर मजिस्ट्रेट के सामने पेश करने और उसे अपनी पसंद के वकील से सलाह लेने का अधिकार देता है। यह व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा करने वाला एक महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 11 राजनीति विज्ञान, अध्याय 2, पृष्ठ 35।

8. वैसी रासायनिक अभिक्रिया जिसमें दो या दो से अधिक उत्पाद बनते हैं और 'ऊष्मा' का अवशोषण होता है, क्या कहलाती है? (विज्ञान)
उत्तर: ऊष्माशोषी वियोजन अभिक्रिया
व्याख्या: जब किसी एक अभिकारक को तोड़ने के लिए बाहर से ऊष्मा दी जाती है, तो उसे ऊष्माशोषी वियोजन कहते हैं। उदाहरण के लिए, लेड नाइट्रेट को गर्म करने पर लेड ऑक्साइड, नाइट्रोजन डाइऑक्साइड और ऑक्सीजन गैस बनती है। यह ऊष्माक्षेपी अभिक्रिया के विपरीत है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 10 विज्ञान, अध्याय 1, पृष्ठ 10।

9. विश्व प्रसिद्ध 'महाबलीपुरम के तट मंदिर' (Shore Temple) का निर्माण किस राजवंश की वास्तुकला शैली का प्रतिनिधित्व करता है? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: पल्लव वंश
व्याख्या: तमिलनाडु में समुद्र के किनारे स्थित ये मंदिर 8वीं शताब्दी में पल्लव शासक नरसिंहवर्मन द्वितीय द्वारा बनवाये गए थे। यह दक्षिण भारतीय मंदिर वास्तुकला (द्रविड़ शैली) के शुरुआती और सबसे उत्कृष्ट उदाहरणों में से एक है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 11 (Fine Arts) भारतीय कला का परिचय, अध्याय 6, पृष्ठ 102।

10. बिहार के किस जिले में 'राजगीर वाइल्डलाइफ सफारी' (Zoo Safari) स्थित है, जहाँ पर्यटक बंद गाड़ियों में शेर और बाघ देख सकते हैं? (बिहार GK)
उत्तर: नालंदा
व्याख्या: राजगीर की सुरम्य पहाड़ियों के बीच यह आधुनिक जू सफारी स्थित है। यह बिहार का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है जहाँ वन्यजीवों को उनके प्राकृतिक आवास में संरक्षित किया गया है। यह राज्य की जैव-विविधता और ईको-टूरिज्म का एक गौरवशाली उदाहरण है।
संदर्भ: बिहार पर्यटन विभाग; बिहार आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26।

"सामान्य-ज्ञान"

11. सुरक्षित शनिवार (अप्रैल W2): विद्यालय में प्रत्येक कक्षा से चयनित 'बाल प्रेरकों' की मुख्य भूमिका क्या होती है? (विद्यालय सुरक्षा)
उत्तर: आपदा के प्रति जागरूकता और जोखिमों की पहचान
व्याख्या: आपदा कैलेंडर 2026 (अप्रैल W2) के अनुसार, बाल प्रेरक अपने वर्ग के छात्रों को आपदाओं से बचाव के तरीके सिखाते हैं। वे फोकल शिक्षक के साथ मिलकर विद्यालय परिसर के खतरनाक बिंदुओं (Hazards) की पहचान करते हैं और 'विद्यालय सुरक्षा योजना' बनाने में सक्रिय सहयोग देते हैं।
संदर्भ: मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम एवं सुरक्षित शनिवार वार्षिक सारणी।

12. 'आज' का संबंध जो 'कल' से है, वही संबंध 'सोमवार' का किससे होगा? (मानसिक योग्यता)
उत्तर: मंगलवार
व्याख्या: यह 'क्रमिक सादृश्यता' का प्रश्न है। जिस प्रकार 'आज' के ठीक बाद वाला दिन 'कल' (आगामी) होता है, उसी प्रकार 'सोमवार' के ठीक बाद वाला दिन 'मंगलवार' होता है। यह प्रश्न छात्रों की समय और दिनों के तार्किक अनुक्रम को समझने की क्षमता को परखता है।
संदर्भ: NTSE मानसिक योग्यता अभ्यास।
क्या आप इसी व्यवस्थित पाठ्यक्रम के अनुसार 16 अप्रैल 2026 (अंक: 14) के लिए सामग्री

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Persist (पर्सिस्ट) = Continue / Endure (जारी रखना / डटे रहना)
🔁 Antonym – Quit (क्विट) = छोड़ देना
Quaint (क्वेंट) = Strange / Old-fashioned (अनोखा / पुराना ढंग का)
🔁 Antonym – Modern (मॉडर्न) = आधुनिक
Resist (रिज़िस्ट) = Oppose / Withstand (विरोध करना / सामना करना)
🔁 Antonym – Surrender (सरेंडर) = आत्मसमर्पण करना
Scarce (स्कार्स) = Rare / Limited (दुर्लभ / कम)
🔁 Antonym – Abundant (अबंडेंट) = प्रचुर
Thrive (थ्राइव) = Prosper / Flourish (फलना-फूलना / उन्नति करना)
🔁 Antonym – Decline (डिक्लाइन) = गिरावट होना

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

1. President Murmu pays tribute to Dr. B.R. Ambedkar on 135th Birth Anniversary; Govt launches 'Ambedkar Social Innovation Mission 2.0' for SC/ST youth.
2. राष्ट्रपति मुर्मू ने डॉ. बी.आर. अंबेडकर की 135वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी; सरकार ने अनुसूचित जाति/जनजाति के युवाओं के लिए 'अंबेडकर सामाजिक नवाचार मिशन 2.0' लॉन्च किया।

1. ISRO successfully conducts 'Reusable Launch Vehicle (RLV)' landing experiment with precision guidance from NAVIC-2 satellites.
2. इसरो ने NAVIC-2 उपग्रहों के सटीक मार्गदर्शन के साथ 'पुन: प्रयोज्य प्रक्षेपण यान (RLV)' लैंडिंग प्रयोग का सफल परीक्षण किया; स्वदेशी नेविगेशन क्षमता में भारत की बड़ी जीत।

1. Ministry of Education integrates 'Constitution Literacy' in NCERT textbooks for Class 6 to 12 to promote democratic values among students.
2. शिक्षा मंत्रालय ने छात्रों में लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए कक्षा 6 से 12 तक की एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकों में 'संविधान साक्षरता' को एकीकृत किया।

INTERNATIONAL NEWS

1. UN World Food Programme (WFP) announces 'Global Soil Health Initiative' to combat desertification and ensure food security in Asia-Pacific.
2. संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम (WFP) ने मरुस्थलीकरण से लड़ने और एशिया-प्रशांत में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु 'वैश्विक मृदा स्वास्थ्य पहल' की घोषणा की।

1. BBC Report: G7 countries pledge to achieve 100% renewable energy in government buildings by 2030; focus on Green-Bonds for funding.
2. बीबीसी रिपोर्ट: G7 देशों ने 2030 तक सरकारी भवनों में 100% नवीकरणीय ऊर्जा प्राप्त करने का संकल्प लिया; फंडिंग के लिए 'ग्रीन-बॉन्ड्स' पर विशेष ध्यान।

1. World Health Organization (WHO) updates 'Essential Medicines List'; includes breakthrough AI-driven diagnostics for early cancer detection.
2. डब्ल्यूएचओ ने 'आवश्यक दवाओं की सूची' अपडेट की; इसमें कैंसर की शीघ्र पहचान के लिए अत्याधुनिक एआई-संचालित डायग्नोस्टिक्स को शामिल किया गया।

BIHAR NEWS

1. Bihar SCERT launches 'Samvidhan Pathshala' in 75,000 primary schools to commemorate Ambedkar Jayanti; special focus on fundamental duties.
2. बिहार एससीईआरटी ने अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में 75,000 प्राथमिक स्कूलों में 'संविधान पाठशाला' शुरू की; मौलिक कर्तव्यों पर विशेष ध्यान।

1. Bihar Government approves establishment of 'Bhim Rao Ambedkar Institute of Technology' in Gaya to promote technical education in Magadh region.
2. बिहार सरकार ने मगध क्षेत्र में तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए गया में 'भीमराव अंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी' की स्थापना को मंजूरी दी।

SPORTS NEWS

1. India wins Women's Asian Wrestling Championship 2026 in Bangkok; Vinesh Phogat clinches Gold with a dominant performance.
2. भारत ने बैंकॉक में महिला एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप 2026 जीती; विनेश फोगाट ने शानदार प्रदर्शन के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

1. Sports Ministry launches 'Khelo India University Games 2026' mascot 'Gajraj'; events to focus on indigenous sports like Kalaripayattu and Mallakhamb.
2. खेल मंत्रालय ने 'खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2026' का शुभंकर 'गजराज' लॉन्च किया; खेलों में कलारीपयट्टू और मल्लखंब जैसे स्वदेशी खेलों पर ध्यान रहेगा।

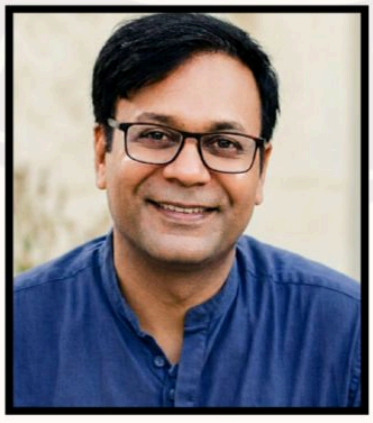

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍️ संदेश:

"करेंट अफेयर्स का नियमित अध्ययन ही प्रतियोगी सफलता की सबसे मजबूत नींव है।"

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग

"कल्पना की उड़ान"

15 अप्रैल की सुबह थी। विद्यालय की प्रार्थना सभा में आज विश्व कला दिवस के अवसर पर विशेष चर्चा हो रही थी। सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे थे।
मैडम जी मंच पर आईं और बोलीं—
"बच्चों, क्या तुम जानते हो कि विश्व कला दिवस महान कलाकार Leonardo da Vinci के जन्मदिन पर मनाया जाता है? वे केवल चित्रकार ही नहीं, बल्कि वैज्ञानिक, आविष्कारक और जिज्ञासु विद्यार्थी भी थे।"
बच्चों की रुचि और बढ़ गई।
मैडम जी ने आगे कहा— "उनकी सबसे प्रसिद्ध पेंटिंग Mona Lisa है। कहा जाता है कि उन्होंने इसे बनाने में कई साल लगाए। वे बार-बार उसमें सुधार करते रहे और हर छोटी-छोटी बात पर ध्यान दिया। यही धैर्य और अभ्यास उन्हें महान बनाता है।"

फिर उन्होंने एक कहानी सुनाई—
एक छात्र था अंश। उसे चित्र बनाना बहुत पसंद था, लेकिन वह जल्दी निराश हो जाता था। उसे लगता था कि वह अच्छा चित्रकार नहीं बन सकता।
एक दिन उसने लियोनार्डो दा विंची के बारे में पढ़ा और जाना कि महानता एक दिन में नहीं मिलती। उसने निश्चय किया कि वह रोज़ अभ्यास करेगा।
अब अंश अपने आसपास की चीज़ों को ध्यान से देखने लगा—पेड़, पक्षी, लोग —और उन्हें अपने चित्रों में उतारने लगा। धीरे-धीरे उसके चित्र बेहतर होते गए।

कुछ समय बाद विद्यालय की चित्रकला प्रतियोगिता में उसने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अब उसे समझ आ गया कि मेहनत और धैर्य का कोई विकल्प नहीं होता।
मैडम जी ने कहा— "बच्चों, याद रखो—जिज्ञासा, धैर्य और निरंतर अभ्यास ही सफलता की कुंजी हैं।"
सभा के अंत में सभी छात्रों ने संकल्प लिया— "हम अपनी प्रतिभा को मेहनत से निखारेंगे।"
संदेश : "धैर्य और अभ्यास से ही साधारण प्रयास भी असाधारण बन जाते हैं।"

.....✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

प्रेरणा (Motivation) का महत्व

शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में यदि कोई एक तत्व सबसे अधिक प्रभाव डालता है, तो वह है—प्रेरणा (Motivation)। बिना प्रेरणा के न तो शिक्षक प्रभावी ढंग से पढ़ा सकता है और न ही विद्यार्थी मन लगाकर सीख सकता है। प्रेरणा वह आंतरिक या बाहरी शक्ति है, जो व्यक्ति को किसी कार्य को करने के लिए उत्साहित और सक्रिय बनाती है।

विद्यालयी संदर्भ में प्रेरणा का अर्थ है—बच्चों में सीखने की इच्छा, रुचि और उत्साह उत्पन्न करना। जब बच्चा किसी विषय को सीखने के लिए स्वयं उत्साहित होता है, तो वह कठिन से कठिन अवधारणाओं को भी आसानी से समझने का प्रयास करता है। इसके विपरीत यदि उसमें रुचि नहीं होती, तो सरल विषय भी उसे कठिन लगने लगते हैं।

प्रेरणा दो प्रकार की होती है—आंतरिक प्रेरणा (Intrinsic Motivation) और बाहरी प्रेरणा (Extrinsic Motivation)।

आंतरिक प्रेरणा वह होती है, जब बच्चा स्वयं की रुचि और जिज्ञासा से सीखता है, जैसे—नई चीज़ जानने की उत्सुकता।

बाहरी प्रेरणा वह होती है, जब बच्चा पुरस्कार, प्रशंसा या अंक प्राप्त करने के लिए सीखता है।

उदाहरण के लिए यदि शिक्षक कक्षा में बच्चों की छोटी-छोटी उपलब्धियों की सराहना करते हैं, तो यह बाहरी प्रेरणा का कार्य करता है। वहीं यदि शिक्षक विषय को इतना रोचक बना देते हैं कि बच्चे स्वयं सीखने के लिए उत्साहित हो जाएँ, तो यह आंतरिक प्रेरणा को बढ़ावा देता है।

प्रेरणा का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह बच्चों के आत्मविश्वास और निरंतरता (Consistency) को बढ़ाती है। जब बच्चे प्रेरित होते हैं, तो वे असफल होने पर भी प्रयास करते रहते हैं और धीरे-धीरे सफलता प्राप्त करते हैं। इससे उनमें "मैं कर सकता हूँ" का भाव विकसित होता है।

बिहार के विद्यालयों में भी शिक्षण को प्रभावी बनाने के लिए प्रेरणा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, विशेषकर "निपुण बिहार" जैसे कार्यक्रमों के अंतर्गत। इसमें यह प्रयास किया जा रहा है कि बच्चों को डर या दबाव के बजाय प्रोत्साहन और सकारात्मक वातावरण के माध्यम से सीखने के लिए प्रेरित किया जाए।

शिक्षकों के लिए यह आवश्यक है कि वे कक्षा में ऐसा वातावरण बनाएँ, जहाँ बच्चे डर के बिना प्रश्न पूछ सकें, अपनी गलतियों से सीख सकें और अपनी प्रगति पर गर्व कर सकें। इसके लिए कहानी, खेल, गतिविधि, पुरस्कार, प्रशंसा और व्यक्तिगत संवाद जैसे उपाय बहुत प्रभावी होते हैं।

अंततः कहा जा सकता है कि प्रेरणा सीखने की ऊर्जा है। यह बच्चों को आगे बढ़ने, प्रयास करने और सफल होने के लिए प्रेरित करती है। जब शिक्षक बच्चों को सही दिशा में प्रेरित करते हैं, तब सीखना केवल एक प्रक्रिया नहीं रहता, बल्कि एक आनंददायक अनुभव बन जाता है।

मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें।

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

"शिक्षक संवर्धन"

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

हिन्दुस्तान

स्कूली बच्चे देश दुनिया की खबरों से प्रत्येक दिन हो रहे रु-ब-रु

विशेष

- चेतना सत्र में बच्चों को दी जा रही जानकारी
- बगहा-2 प्रखंड के दर्जनों स्कूल में एचएम की पहल

बगहा,हमारे संवाददाता। बगहा-2 प्रखंड के सरकारी विद्यालयों में इन दिनों पारंपरिक पढ़ाई के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शिक्षकों व प्रधानाध्यापकों की पहल पर एक दर्जन से अधिक स्कूलों में छात्रों को सामान्य ज्ञान और समसामयिक विषयों की जानकारी देकर उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार किया जा रहा है। चेतना सत्र को अब केवल प्रार्थना तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि इसे ज्ञानवर्धक सत्र का रूप दे दिया गया है। प्रतिदिन सुबह चेतना सत्र के दौरान राष्ट्रगीत और प्रार्थना के साथ-साथ उस दिन की तिथि से जुड़ी ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक जानकारियां भी विद्यार्थियों को दी जा रही हैं। इससे छात्रों का सामान्य ज्ञान बढ़ रहा है और वे विभिन्न विषयों के प्रति जागरूक हो रहे हैं। प्रधानाध्यापक दयाशंकर साह,

प्राथमिक विद्यालय पटेहरा में चेतना सत्र के दौरान बच्चों को जानकारी देतीं शिक्षिकाएं।

प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार, नीतू कुमारी सहित शिक्षकों ने पिंटू कुमार, शैलेश पासवान, तीरेन्द्र राम सहित दर्जनों ने बताया कि सरकारी विद्यालय किसी भी स्तर पर निजी विद्यालयों से बेहतर है। किताबी ज्ञान के साथ ही साथ व्यवहारिक, प्रतियोगी परीक्षाओं के साथ समसामयिक ज्ञान से उनको रुबरु कराया जाता है। इसके अलावा चेतना सत्र में ही हर दिन एक साहित्यकार और उनके साहित्य के बारे में भी जानकारी दी जा रही है। शिक्षक छात्रों को प्रमुख कवियों, लेखकों और उनके रचनात्मक योगदान के बारे में बताते हैं। शिक्षकों का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य छात्रों को सिर्फ पाठ्यक्रम तक सीमित न रखकर उन्हें व्यापक ज्ञान देना है, ताकि भविष्य में वे विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें।बगहा-2 प्रखंड के कई सरकारी विद्यालयों में चेतना सत्र को अधिक ज्ञानवर्धक और रोचक बनाने की पहल की जा रही है। यहां प्रतिदिन चेतना सत्र के दौरान छात्रों को एक सुविचार के साथ सामान्य ज्ञान के पांच प्रश्न भी पूछे जा रहे हैं। इसके अलावा शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को प्रेरणादायक कहानियां भी सुनाई जा रही हैं, जिससे उनमें नैतिक मूल्यों और सकारात्मक सोच का विकास हो सके। बगहा दो के बीईओ फूदन राम ने बताया कि चेतना सत्र के दौरान बच्चो को समसामयिक ज्ञान के साथ ही साथ कई जानकारियो से रुबरु कराया जाता है।

अनुभाग-8

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 32

"(मैट्रिक के बाद – Plumbing (ITI/Skill Course))"

'संपादकीय'

प्रिय विद्यार्थियों,

यदि आपकी रुचि निर्माण कार्य (Construction), पाइपलाइन, जल आपूर्ति प्रणाली और तकनीकी कार्य में है, तो Plumbing (ITI/Skill Course) एक अत्यंत उपयोगी, मांग वाला और स्थायी रोजगार देने वाला कोर्स है। इस कोर्स में पाइप फिटिंग, वाटर सप्लाई सिस्टम, सैनिटेशन, ड्रेनेज सिस्टम, बाथरूम/किचन इंस्टॉलेशन, लीकेज रिपेयर, ब्लूप्रिंट रीडिंग आदि का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है।

अर्हता: न्यूनतम 10वीं उत्तीर्ण; तकनीकी कार्य में रुचि आवश्यक।

नामांकन प्रक्रिया:

ITI एवं स्किल कोर्स में प्रवेश मेरिट/डायरेक्ट एडमिशन के आधार पर होता है। प्रशिक्षण और नामांकन संबंधी जानकारी के लिए Directorate General of Training – dgt.gov.in तथा Ministry of Skill Development and Entrepreneurship – skillindia.gov.in उपयोगी पोर्टल हैं।

बिहार के प्रमुख सरकारी संस्थान:

सभी जिलों में संचालित सरकारी ITI संस्थान

Bihar Skill Development Mission के प्रशिक्षण केंद्र

कोर्स अवधि: 6 माह से 1 वर्ष (सर्टिफिकेट/ITI ट्रेड अनुसार)।

रोजगार की संभावना:

कंस्ट्रक्शन कंपनियाँ, बिल्डिंग प्रोजेक्ट, नगर निगम, होटल/हॉस्पिटल मेंटेनेंस, इंडस्ट्रियल प्लांट। प्रारंभिक आय ₹12,000–25,000 प्रति माह, अनुभव के साथ ₹30,000+।

स्व-रोजगार के अवसर:

घर-घर प्लंबिंग सर्विस, कॉन्ट्रैक्ट वर्क, बिल्डिंग इंस्टॉलेशन प्रोजेक्ट—कम निवेश में अच्छी आय संभव।

आगे के अवसर:

एडवांस सैनिटरी इंजीनियरिंग, सुपरवाइजर/कॉन्ट्रैक्टर, विदेशों (Gulf देशों) में उच्च वेतन पर अवसर।

वित्तीय सहायता:

कई स्किल कोर्स PMKVY के तहत निःशुल्क/कम शुल्क में उपलब्ध हैं। बिहार सरकार की स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (drcc.bihar.gov.in) से भी सहायता मिल सकती है। छात्रवृत्ति हेतु National Scholarship Portal – scholarships.gov.in देखें।

संक्षिप्त सलाह: यदि आप हाथ से काम करने, तकनीकी कौशल सीखने और जल्दी आय शुरू करने की सोच रखते हैं, तो Plumbing कोर्स आपके लिए एक स्थायी और लाभकारी विकल्प है।

अगले पत्र में – इंटरमीडिएट के बाद : B.Sc IT (Information Technology)।

.....✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए...!!!

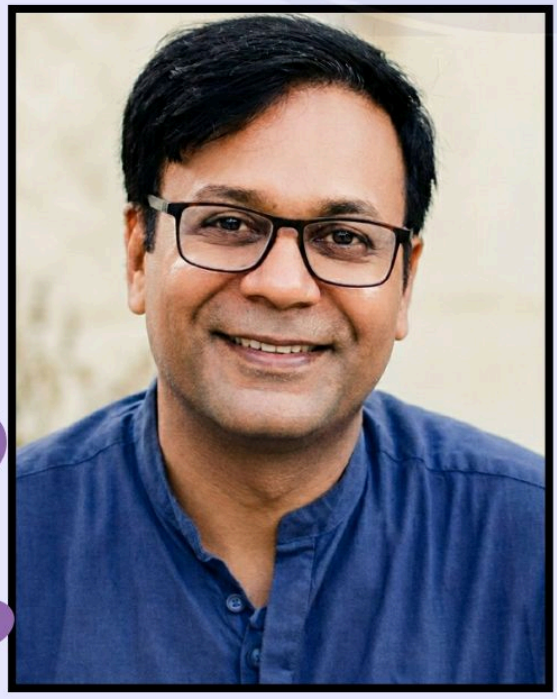

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org